श्रेष्ठ समाज के लिए नैतिक, आध्यात्मिक एवं मानव मूल्य प्रेरित

शिक्षा दर्पण

शिक्षा प्रभाग की त्रैमासिक समाचार पत्रिका | मार्च - 2024 | ब्रह्माकुमारीज़, माउण्ट आबू (राज.)

1. **संबलपुर (ओडिशा)।** ब्रह्माकुमारीज़ के पावन सरोवर रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय अभियान **'नये भारत के लिए नई शिक्षा'** का शुभारंभ भारत की **माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी** के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ओडिशा के **माननीय राज्यपाल श्री रघुवर दास जी**, केंद्रीय शिक्षा मंत्री **माननीय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी**, शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. शीलू, ब्र.कु. पार्वती, ब्र.कु. नथमल, डॉ. ब्र.कु. लीना इत्यादि उपस्थित थे।

2. **शांतिवन (आबू रोड)।** ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ दिल्ली हरिनगर सबज़ोन की निदेशिका **राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी** को मणिपुर इंटरनेशनल विवि द्वारा **'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' (D.Litt)** की मानद उपाधि प्रदान की गई।

3. **शांतिवन (आबू रोड)।** ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में आयोजित **सम्मान समारोह** में मणिपुर इंटरनेशनल विश्वविद्यालय द्वारा आध्यात्मिकता, नेतृत्व एवं सामाजिक सेवा में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल की ज़ोनल निदेशिका **राजयोगिनी ब्र.कु. राज दीदी** को **'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' (D.Litt)** की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

संरक्षक
राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर
महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं संरक्षक, शिक्षा प्रभाग
परामर्श दाता
राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय
कार्यकारी सचिव, ब्रह्माकुमारीज़ एवं अध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू बहन
उपाध्यक्ष, शिक्षा प्रभाग
कार्यकारिणी
राजयोगिनी ब्र.कु. सुमन
राष्ट्रीय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि
निदेशक, मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा कोर्स
ब्र.कु. शिविका
मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग
डॉ. आर.पी. गुप्ता
मुख्यालय संयोजक, मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम
प्रधान सम्पादक
डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, अहमदाबाद, गुजरात
सह सम्पादक
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड
प्रकाशक
एज्यूकेशन विंग (RERF) एवं ब्रह्माकुमारीज़
प्रकाशन
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन, आबू रोड
डिजाइनिंग सेटिंग
ब्र.कु. चुनेश, शान्तिवन, आबू रोड

अमृत सूची

- **सम्पादकीय** - राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा
- राष्ट्र निर्माण के लिए आध्यात्मिक ज्ञान
- राजयोग मेडिटेशन द्वारा आंतरिक शक्तियों का विकास
- Value Education in India: The Present Scenario
- 'डिवाइन संस्कारशाला फाउण्डेशन' द्वारा हो रही सेवाओं की झलकियां
- नये भारत के लिए नई शिक्षा
- विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां
- जयपुर में RISE के लिए ट्रेनिंग का आयोजन
- मेडिटेशन से लक्ष्य को हासिल करने में मिलती है मदद

निवेदन

शिक्षा प्रभाग के सेवा समाचार फोटो सहित तथा स्व-रचित कविता, गीत, लेख इत्यादि एज्यूकेशन ऑफिस, आनंद भवन, शान्तिवन, आबू रोड के पते पर भेजकर अपना सहयोग प्रदान करें।

E-mail: educationwing@bkivv.org
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040

डॉ. ब्र.कु. ममता
संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, सुख शान्ति भवन (अहमदाबाद)

सम्पादकीय

डॉ. ब्र.कु. ममता शर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मूल्य शिक्षा

'विविधता में एकता' भारत की सभ्यता की तासीर रही है। जहाँ विविध प्रकार के धर्म, उत्सव, पर्व, त्यौहार प्रचलित हैं वहाँ विविध प्रकार से जाति, भाषा, वर्ग एवं व्यवहार भी है। पिछले कई वर्षों से इस विविधता के बावजूद हम सभी एक ही शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत शिक्षा लेना सीख गए थे। पिछले वर्षों में शिक्षा में सुधार के लिए सिर्फ सम्मलेन, कार्यशालाएं व चर्चाएँ ही होती रहती थीं। परिणाम शून्य, व्यवहार शून्य।

परन्तु आज 2020 से दो साल पूर्व भारत के प्रबुद्ध जन से लेकर, आम जनता से सोशल मीडिया के माध्यम से सुझाव मांगे गये। इन सुझावों को लेकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सुधार के प्रयत्न किये गये। एक उच्च कक्षा तक की टास्क फोर्स के द्वारा समूचे भारतवर्ष की शिक्षा प्रणाली में सुधार का कार्यक्रम बनाया गया। आज इसके व्यवहार में प्रायोगिक स्वरूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के रूप में हो रहा है। 2020 से लेकर नये-नये पाठ्यक्रम पढ़ाये जा रहे हैं। इस सन्दर्भ में वैल्यू एडेड कोर्स भी पढ़ाने का प्रावधान रखा गया है। इस कोर्स में भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत मूल्य शिक्षा का प्रावधान है। सभी पाठ्यक्रम में मूल्य शिक्षा को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जा रहा है।

यह मूल्य शिक्षा का बीज ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा पिछले तीन से चार दशकों से अभियान के स्वरूप में प्रचार किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग ने मूल्य शिक्षा के कई पाठ्यक्रम सभी विद्याशाखाओं में लागू करने का अभियान चलाया, जिसमें सफलता भी मिली। परंतु अभी संपूर्ण रूप से मूल्यों की अवधारणा ब्रह्माकुमारीज़ के अलावा किसी के पास स्पष्ट न होने के कारण कुछ दुविधाएँ हैं। हालांकि प्रतिवर्ष शिक्षा प्रभाग द्वारा इस दिशा में प्रयत्न जारी है। फलस्वरुप आज 20 से अधिक विश्वविद्यालयों में तकनीकी सहयोग से यह कोर्स चलाये जा रहे हैं।

हमें गौरव है कि मूल्य शिक्षा का यह बीज आज अंकुरित होकर एक वृक्ष बन गया है। प्रबुद्धजनों ने इसको स्वीकार भी किया है। शिक्षा प्रभाग की यह उपलब्धि प्रबुद्धजनों ने स्वीकार कर ली है। कई यूनिवर्सिटी ने तो ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ भाई-बहनों को मूल्य शिक्षा की मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी दी है। आज हम गर्व से कह सकते हैं जो विकसित भारत @2047 का सरकार का स्वप्न है। इस स्वप्न को पूरा करने में ब्रह्माकुमारीज़ ने अपना योगदान दिया है। मूल्य शिक्षा से ही स्वर्णिम भारत का उदय होगा।

राष्ट्र निर्माण के लिए आध्यात्मिक ज्ञान

ओम शांति रिट्रीट सेंटर (गुरुग्राम)। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शिक्षाविदों के लिए **'राष्ट्र निर्माण के लिए आध्यात्मिक ज्ञान'** विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओआरसी की निदेशिका **ब्र.कु. आशा** ने कहा कि राष्ट्र का असली निर्माण चरित्र से होता है। हमारी संस्कृति सिखाती है कि सबसे बड़ा धन ज्ञान है। एक ज्ञानी और चरित्रवान व्यक्ति के पीछे स्थूल धन स्वतः ही आता है। शिक्षक केवल शिक्षा से ही नहीं बल्कि अपने कर्म से भी सिखाता है। क्योंकि शिक्षक का आचरण बच्चों को प्रेरित करता है। हमारा मूल स्वरूप शांति है। झुकना कोई कमजोरी नहीं है। झुकने से व्यक्ति की महानता और बढ़ जाती है।

एक शिक्षक बच्चों के लिए सबसे आदर्श उदाहरण है

सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता **ब्र.कु. शिवानी** ने कहा कि आज मन की शक्ति बहुत तेजी से कम हो रही है। जिस कारण समय की कमी महसूस होती है। एक कमजोर मन ही गुलामी का अनुभव करता है। मानसिक दबाव को कम करने के लिए आंतरिक शक्ति बढ़ाने की जरूरत है। इसमें शिक्षकों की बहुत बड़ी जिम्मेवारी है। क्योंकि शिक्षक बच्चों के लिए एक आदर्श उदाहरण होता है। शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक ज्ञान जरूरी है। इसलिए प्राचीन भारतीय संस्कृति में बच्चों को गुरुकुल में शिक्षा दी जाती थी। जीवन में खुशी के लिए नहीं बल्कि खुशी के साथ-साथ हर कार्य करें। खुशी के लिए दूसरों पर निर्भर न रहें। सफलता का वास्तविक अर्थ दूसरों को देने में है।

आध्यात्मिक ज्ञान है भारतीय संस्कृति का मूल

ब्र.कु. शिवानी ने आगे कहा कि आज भावनात्मक रूप से मजबूत होने की जरूरत है। जितना भावनात्मक रूप से शक्तिशाली होंगे, उतना ही आध्यात्मिक चेतना विकसित होगी। रोज अपने लिए एक घंटा दें। अपने आपसे बातें करें। अपनी भावनाओं को कंट्रोल करना सीखें। भावनात्मक रूप से निर्भर होना ही सबसे बड़ी कमजोरी है। शिक्षकों को स्कूल में एक ऐसी संस्कृति बनाने की आवश्यकता है जिसमें आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की जागृति हो। क्योंकि भारतीय संस्कृति का मूल आध्यात्मिकता है।

इस अवसर पर विशेष रूप से जापान से पधारी संगीतकार **सिस्टर आयको** ने वायलिन वादन से संगीत के सुंदर स्वर प्रस्तुत किए। साथ ही **ब्रदर यूजी** ने राजयोग के अभ्यास से उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन के विषय में बताया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथियों में सेंट थॉमस मैनेजमेंट के निदेशक **डॉ. मुकुल जैन,** कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया के पश्चिम क्षेत्र परिषद की अध्यक्षा एवं व्याख्याता **अमृता डीसी नौटियाल,** श्रीराम सोसायटी ऑफ रियल एज्युकेशन की चेयरपर्सन एवं एमडी **डॉ. अमृता ज्योति,** हरियाणा एमिटी यूनिवर्सिटी के निदेशक **डॉ. संजय कुमार झा,** एसडी आदर्श विद्यालय की प्रेसिडेंट **आशा शर्मा** एवं माय एफएम से **आरजे रौनक** सहित 350 से भी अधिक शिक्षाविदों ने शिरकत की। **ब्र.कु. दिव्या** ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का परिचय देने के साथ-साथ मंच का संचालन भी किया।

ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शिक्षाविदों के लिए आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कलाकार।

श्री अमरेन्दु प्रकाश, चेयरमेन, स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को माउंट आबू आने के लिए निमंत्रण तथा ईश्वरीय प्रसाद देते हुए डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. शैलेष तथा वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव।

ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन में आयोजित **सम्मान समारोह** में मणिपुर अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ब्र.कु. पवन को **'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' (D.Litt)** की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

राजयोग मेडिटेशन द्वारा आंतरिक शक्तियों का विकास

लातूर (महाराष्ट्र)। सेवाकेंद्र द्वारा **"The Year of Positive Change"** के अंतर्गत ग्लोबल नॉलेज पब्लिक स्कूल में **मूल्य शिक्षा एवं राजयोग मेडिटेशन द्वारा आंतरिक शक्तियों का विकास** विषय पर तीन दिवसीय सत्र का आयोजन किया गया।

शिवाजी नगर लातूर की संचालिका **ब्र.कु. प्रयाग** ने कहा कि आज आधुनिक शिक्षा से मनुष्य शिक्षित तो हुआ है लेकिन चिंता, भय, मानसिक बंधनों से मुक्त नहीं है। सशक्त और बंधन मुक्त संस्कृति की स्थापना करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा मूल्य शिक्षा और आध्यात्मिकता से हम भारत को फिर से मूल्यवान और चरित्रवान बनाएंगे। कार्यक्रम में छात्रों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए **डॉ. ब्र.कु. किशोर** ने बताया कि समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, भेदभाव, असंतोष, तनाव, भय, भ्रम, नकारात्मकता, अंधविश्वास आदि तीव्र गति से बढ़ रही है। आज की शिक्षा में इंटेलिजेंस क्वोशन्ट के साथ-साथ इमोशनल, मोरल और स्पिरिचुअल क्वोशन्ट जब ऐड करेंगे, तब ही मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना होगी। आज शिक्षक ही छात्रों का सुन्दर भविष्य बना सकते हैं इसलिए शिक्षकों को मूल्यों और आध्यात्मिक शिक्षा से भरपूर होना पड़ेगा। अंत में **ब्र.कु. कंचन** ने राजयोग मेडिटेशन कराया।

मनमोहिनीवन परिसर, आबू रोड स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में पुणे की कॉप यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचे विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोगी भाई-बहनें, पुणे से आए यूनिवर्सिटी के विद्यार्थीगण, शिक्षकगण और मौजूद रहें।

Value Education in India: The Present Scenario

Values are the guiding principles of life. They refer to standards for determining levels of goodness or desirability. Value education is simply a matter of developing appropriate behavior and habits involving the inculcation of certain virtues and habits. It is a process of initiating the learner to lead a good life. Gandhi ji once said, "Education without character leads to criminality." He further proposed that 'Formation of character should have priority over the alphabet.' Even Swami Vivekanand said that teaching of religion must be part and parcel of education which, according to him was essential to teach values. India which was quoted by great visionaries and saints as a 'punya bhumi' has kept pace in science and technology with forward nations. But, tragically, we have shown a slower pace in our value system even when we have a strong heritage of human values.

There is a lack of the concept of human development and nation-building in the education process. Education at present has limited itself to the transmission of knowledge and cultivation of occupational skills. Right from the beginning, students are raised in a spirit of excessive competition and are trained to fight in aggressive competition and in fact, detached from contexts. The individualistic idea of excellence is encouraged at the cost of emotional and relational skills. In the present scenario, we provide only such education that would enable the students to earn more and hardly give any thought to the improvement of the character of the educated. Over the years, hence, value education has taken the back seat but this trend needs to be reversed if India is to acquire its due standing in the world.

We must understand that education must not be limited to helping the young earn their livelihood but should go beyond with an ability to judge whether the earning is worth it in terms of the utility of work to mankind. Newton, Einstein, and Mahatma Gandhi are considered great because their intention was to work to serve humanity, and not their fame and prosperity. They used their knowledge and intelligence with the sole objective of serving mankind and eventually, they succeeded in their effort.

The main objective of education should be the development of an all-round and well-balanced personality of the students. Value education can contribute a lot in this regard. Individuals, families, and communities that comprise a society must avoid pursuits, advocacies, methods, and goals that undermine values. We also need trained, committed, and spiritually motivated teachers to impart value-based education. The pedagogical methods for implementing value-based education may be stories, poems, prayers, songs, mantras, and bhajans. Similarly, special camps can also be organized. Hence, the family, educational institutions, community, and society can help in developing all dimensions of the human intellect by imparting values so that our children can make our nation a more democratic, cohesive, socially responsible, culturally rich, and intellectually competitive nation.

Dr. Sumedha Gupta
Associate Professor, P.G. Department of Commerce & Management, M.T.S.M. College for Women, Ludhiana

'डिवाइन संस्कारशाला फाउण्डेशन' द्वारा हो रही सेवाओं की झलकियां

बनारस (उत्तर प्रदेश)। ब्रह्मा बाबा की साक्षात्कार भूमि बनारस में स्थापित **'डिवाइन संस्कारशाला फाउंडेशन'** पिछले 5 वर्षों से ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग के सहयोग से बस्ती के बच्चों एवं उनके परिवारजनों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य कर रही है जिसमें बच्चों को प्रतिदिन राजयोग का अभ्यास, नैतिक शिक्षा, कोचिंग, नृत्य, गायन-वादन, चित्र-कला, हैंडीक्राफ्ट इत्यादि निःशुल्क सिखाया जाता है। साथ ही बच्चों के लिए उचित खान-पान की व्यवस्था भी की जाती है। समय-समय पर वृक्षारोपण, जागरूकता रैली, हेल्थ-चेकअप कैंप एवं अन्य कार्यक्रम भी कराये जाते हैं। पांच वर्षों के अंतर्गत डिवाइन संस्कारशाला ने कई स्लम क्षेत्रों में सेवाएँ की हैं, जिससे सैंकड़ों बच्चों और उनके परिवारजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

नये भारत के लिए नई शिक्षा

संबलपुर (ओडिशा)। ओडिशा के संबलपुर में स्थित पावन सरोवर रिट्रीट सेंटर में राष्ट्रीय अभियान **'नये भारत के लिए नई शिक्षा'** का शुभारंभ भारत के माननीय राष्ट्रपति **श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी** के द्वारा सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि परिवार से ही मनुष्य की शिक्षा आरंभ होती है और माँ ही हमारी पहली शिक्षक है। शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए। शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्य एवं नैतिक शिक्षा का समावेश होना अति आवश्यक है। नई शिक्षा नीति भारत को पुनः विश्वगुरु की पदवी से सुशोभित करेगा। ब्रह्माकुमारीज़ विश्व स्तर में मानव समाज के कल्याण अर्थ आध्यात्मिक शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा भारत सरकार के नशा मुक्त अभियान, जैविक खेती सहित सामाजिक जागरण कार्यक्रमों में प्रमुख सहयोगी हैं।

इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल **माननीय श्री रघुवर दास जी** ने कहा कि आधुनिक और विकसित भारत के लिए आध्यात्मिक शिक्षा आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय इस दिशा में सबसे आगे है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री **माननीय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी** ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से अधिक ह्यूमन इंटेलिजेंस (HI) जरूरी है।

ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से पधारे शिक्षा प्रभाग की उपाध्यक्षा **ब्र.कु. शीलू** ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए इंटेलिजेंस कोशेंट IQ के साथ स्पिरिचुअल कोशेंट (SQ) को बढ़ाना जरूरी है।

ब्रह्माकुमारीज़ पश्चिम ओडिशा सबज़ोन की निदेशिका **ब्र.कु. पार्वती** ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। माननीय राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री ने पावन सरोवर रिट्रीट सेंटर के परिसर में वृक्षारोपण किये।

इस कार्यक्रम में पश्चिम ओडिशा के विभिन्न स्थानों से आए 4000 से अधिक भाई-बहन उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में उड़ान ग्रुप के बच्चों ने संबलपुरी गीत पर बहुत सुंदर स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने कर कमल से ब्रह्माकुमारी बहनों को झण्डा और कलश देकर **'नये भारत के लिए नई शिक्षा'** कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक **श्री नाउरी नायक** एवं कटक से पधारे हुए **ब्र.कु. नथमल** भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल संचालन माउंट आबू से पधारे **डॉ. ब्र.कु. लीना** ने किया।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम में शिक्षाविदों के लिए आयोजित **'राष्ट्र निर्माण के लिए आध्यात्मिक ज्ञान'** कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करते हुए ओआरसी की निदेशिका ब्र.कु.आशा, ब्र.कु. शिवानी, सेंट थॉमस मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. मुकुल जैन, कम्पनी सेक्रेटरी ऑफ़ इंडिया के पश्चिम क्षेत्र परिषद की अध्यक्षा अमृता डीसी नोटियाल, डॉ. अमृता ज्योति, डॉ. संजय कुमार झा, ब्र. कु. दिव्या तथा ब्र. कु. नेहा।

भारत सरकार के इस्पात राज्यमंत्री श्री फगन सिंह कुलस्ते जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए संस्था के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. प्रकाश तथा ब्र.कु. शिविका।

भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के सेक्रेटरी श्री नागेंद्र नाथ सिन्हा जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. शैलेष तथा वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव।

डोंबिवली (महाराष्ट्र)। RISE: National Education Campaign के अंतर्गत ब्र.कु. शकु के मार्गदर्शन में पवार स्कूल में प्राध्यापकों के लिए **'तनाव मुक्त जीवन'** विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। ब्र.कु. संगीता ने संस्था का परिचय और सेवाओं की जानकारी दी तथा तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण और राजयोग का अपने दैनिक जीवन में महत्व के बारे में बताया। शिक्षकों ने **'प्रतिस्पर्धा और आलोचना'** के भेंट में हम कैसे **'सहयोग और प्रशंसा'** की भावना रख सकते हैं - इस पर रखे प्रश्नों के बारे में ब्र.कु. स्नेहा ने समाधान किया।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

शांतिवन के डॉ. ब्र.कु. सेलवम को एक्यूप्रेशर/एक्यूपंक्चर एण्ड अल्टरनेटिव मेडिसिन इंस्टिट्यूट द्वारा **'लाइफ टाइम अवार्ड'** से गौरवान्वित किया गया जिसमें उन्हें गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री माननीय भ्राता बृजमोहन अग्रवाल जी से ब्रह्माकुमारीज़ रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. सविता ने उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात और प्रसाद दिया। इस अवसर पर मधुबन के ब्र.कु. चुनेश और ब्र.कु. वनिशा भी उपस्थित थीं।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष श्री अनिल सहस्रबुद्धे के साथ आध्यात्मिक चर्चा करने के पश्चात् एज्युकेशन विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. विकास तथा अन्य।

गीता कन्या माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों का आध्यात्मिक मार्गदर्शन करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् ब्र.कु. सुनन्या, ब्र.कु. पारुल तथा अन्य।

NIT कुरुक्षेत्र में स्टूडेंट्स के लिए **'एक्सपर्ट टॉक'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के UTI Engineering कॉलेज में **'डिजिटल डिटोक्स'** विषय पर आयोजित सेमिनार के पश्चात् ब्र.कु. पारुल, ब्र.कु. सुनन्या तथा अन्य।

हायर सेकेण्डरी स्कूल की विद्यार्थियों के लिए **व्यक्तित्व विकास शिविर** का आयोजन किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र में मोती वीरप्पा सरकारी कॉलेज के प्राचार्य पंचाक्षरप्पा, पालाक्ष, श्रीमती अन्नपूर्णा पाटिल, सुभान साहब, श्रीमती उमा देवी, ब्र.कु. लीला, ब्र.कु. शांता आदि उपस्थित थे।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

रामगड़िया एज्युकेशन कॉलेज, फगवाड़ा में कार्यक्रम के पश्चात् ग्रुप फोटो में डॉ. ब्र.कु. राजेश तथा अन्य। साथ ही एप्पल ऑर्चर्ड स्कूल, फगवाड़ा, पंजाब में **राइज़ एज्युकेशन अभियान** के अंतर्गत कार्यक्रम में एक्टिविटी करते विद्यार्थी।

Kurukshetra NIT Cultural Fest Confluence 2023 में राजयोग थॉट लैब के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के द्वारा सभी इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए आयोजित सेमिनार में **'माइंड पावर'** के विषय पर व्याख्यान देते हुए जयपुर के ब्र.कु. मुकेश।

Kurukshetra NIT में **'स्टडी टेक्निक'** विषय पर इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को जयपुर के ब्र.कु. मुकेश ने संबोधित किया। जयपुर की ब्र.कु. चित्रा ने सभी विद्यार्थियों को एकाग्रता की एक्टिविटी कराई और मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में **'परीक्षा मित्र'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ब्र.कु. रीना ने सभी विद्यार्थियों को परीक्षा को एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्राचार्य माधुरी गुप्ता, दिव्या गुप्ता, रंजना, संजीव अहिरवार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

राइज़ एज्युकेशन अभियान के अंतर्गत ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल शिक्षक और समर्पित बहनों सहित कुल 55 सदस्यों ने भाग लिया। इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित ग्रुप द्वारा 92 स्कूल, कॉलेजेस में यह कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई।

जयपुर में RISE के लिए ट्रेनिंग का आयोजन

जयपुर (राजस्थान)। **RISE (आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वर्णिम भारत का उदय)** राष्ट्रीय शिक्षा अभियान का जयपुर ज़ोनल मुख्यालय ब्रह्माकुमारीज़ वैशाली नगर के प्रभु निधि सभागार में 14 नवम्बर 2023 को शुभारम्भ किया गया।

इस कार्यक्रम में जयपुर ग्रामीण सांसद **श्री राज्यवर्धन सिंह राठौर,** राजस्थान यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर **डॉ. अल्पना,** आर.यू.एच.एस. के वाइस चांसलर **डॉ. सुधीर भंडारी,** संयुक्त निदेशक शिक्षा संकुल **योगेश चंद शर्मा,** लंदन स्थित ब्रह्माकुमारीज़ इंटरनेशनल हेडक्वार्टर से पधारी **ब्र.कु. गोपी,** ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन की प्रभारी **ब्र.कु. सुषमा** आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

सभा को संबोधित करते हुए **श्री राज्यवर्धन सिंह राठौर** ने कहा कि कर्म पर ध्यान करो, फल की चिंता मत करो क्योंकि परफेक्ट प्रैक्टिस से ही परफेक्ट बन सकते हैं। आत्मविश्वास सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा मूल्यनिष्ठ शिक्षा के क्षेत्र में चलाये जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना की।

आर.यू.एच.एस. के वाइस चांसलर **डॉ. सुधीर भंडारी** ने कहा कि जरूरतमंद की सहायता करने में खुशी प्राप्त होती है। मेडिटेशन से मन में खुशी देने वाले सकारात्मक हार्मोन सेरोटोनिन का निर्माण होता है जबकि डोपामाइन हार्मोन से नकारात्मकता पैदा होती है।

कोटा में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों में मेडिटेशन के प्रति रुझान पैदा करना होगा तभी बच्चे सकारात्मक रहकर श्रेष्ठ समाज का निर्माण कर सकते हैं। राजस्थान यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर **डॉ. अल्पना** ने कहा कि भागदौड़ भरी जिन्दगी में यहाँ सुख-चैन का अनुभव होता है। आज के दौर में शिक्षा का अर्थ ज्ञान और सूचना को अर्जित करना है परन्तु शिक्षा वही अर्थपूर्ण है जिसकी नींव में गुण एवं संस्कार हो और आध्यात्मिकता हो।

लन्दन से पधारी **ब्र.कु. गोपी** ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए कहा कि मनुष्य के चरित्र को सशक्त बनाना राष्ट्र को सशक्त बनाने के समान है। पहले IQ की बात होती थी, उसके बाद EQ की बात होने लगी लेकिन अब युवाओं में SQ अर्थात् आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की जरुरत है। शिक्षा पद्धति में आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता को शामिल करना होगा तभी युवा सही दिशा में आगे बढ़ सकता है।

ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन प्रभारी **ब्र.कु. सुषमा** ने इस अभियान के उद्देश्य के बारे में कहा कि भारत अत्यंत समृद्धिशाली संतों और अध्यात्म की जननी रही है। समय परिवर्तनशील है एवं आने वाला समय बड़ा चुनौतीपूर्ण रहने वाला है और ब्रह्माकुमारीज़ संस्था समाज को आध्यात्मिक सेवाएँ देने के लिए सदैव तत्पर है।

वैशाली नगर सेवाकेंद्र प्रभारी **ब्र.कु. चन्द्रकला** ने RISE के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा जगत में उत्पन्न हो रही इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर RISE अभियान चलाया जा रहा है, जिसका राष्ट्रीय शुभारम्भ भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती दौपदी मुर्मु ने ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान में पधार कर किया।

इस अभियान के अंतर्गत शिक्षा प्रभाग द्वारा **'राष्ट्रीय शिक्षा अभियान'** के रूप में पूरे भारतवर्ष के स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को जीवन मूल्यों से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

“तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी जी से मुलाक़ात कर ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय में आने का निमंत्रण देने के पश्चात् डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. कुलदीप, ब्र.कु. अंजली, ब्र.कु. बंशी तथा ब्र.क. रवि।”

The research proposal for a Ph.D. in Yogic Science was presented by scholars online from 23rd to 31st December 2023. The five-member committee consists of Dr. Suresh Verma, Dr. Suresh Kumar, Dr. Pandiamani, Dr. V. Suresh, and Dr. Rajesh Arora.

एम.जे.पी. रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् ग्रुप फोटो में है ब्र.कु. पार्वती, ब्र.कु. नीता, ब्र.कु. पारुल तथा ब्र.कु. अनुराग।

Special Program was organized by Brahma Kumaris under the **RISE - National Campaign.** Brahma Kumaris Centre Incharge B.K. Uma inspired everyone to think positive and optimistic in every situation. C.N. Annadurai, MP, Lok Sabha; Ln. PMJF Dr. M. Venkadasubbu, MD, Darling Groups; Ms. Sarala Devi, Tahsildhar; Mrs. Kalavathy Rajamanickam, Vice Chariman of SRGDS Schools; Mr. M. Chinraj; Mr. Srini Karthikeyan; Rtn. PP.M. Mannulingam; Mr. S.V. Muthukumaran; Rtn. TGK; Rtn. K. Banu; MJF. Ln. C.S. Durai; Mr. M. Elancheliyan attended the programme.

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

लवकुश नगर के ग्राम देवपुर शासकीय हाई स्कूल में **'परीक्षा मित्र'** प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को ब्र.कु. ऊषा और ब्र.कु. सुलेखा ने मोटिवेट किया। इस अवसर पर स्कूल के टीचर्स भी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली में आईसेट स्किल डेवलपमेंट केंद्र में व्यक्तित्व निर्माण विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने के पश्चात् ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. सविता तथा अन्य।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. शैलेश तथा वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव।

वाणी भारती इंग्लिश पब्लिक स्कूल मालनपुर के डायरेक्टर सुनील जैन जी को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. ज्योति।

प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों तथा प्रधानाचार्यों के लिए दो दिवसीय **'तनावमुक्त खुशनुमा जीवन'** कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता, संत कुमार, ब्र.कु. शांता तथा ब्र.कु. सरिता ने संबोधित किया।

मेडिटेशन से लक्ष्य को हासिल करने में मिलती है मदद

मनमोहिनीवन (आबू रोड)। विद्यार्थी जीवन में सबसे जरूरी है एकाग्रता। जब हम एकाग्रता के साथ अपने लक्ष्य को पाने के लिए प्रयास करते हैं तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। मेडिटेशन से हमारे ब्रेन की कार्यक्षमता बढ़ती है और लक्ष्य पर फोकस कर पाते हैं। आप सभी भविष्य में जिस कार्यक्षेत्र में रहेंगे लेकिन जीवन में सबसे अहम है मानसिक शांति और सुकून जो मेडिटेशन से ही मिलता है।

यह बात ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक **डॉ. प्रताप मिड्ढा** ने कही। वह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मनमोहिनीवन परिसर स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में पुणे की कॉप यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक भ्रमण पर पहुंचे विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन पर हमारे आगे के जीवन का आधार होता है। इसलिए इस समय को अपनी स्व उन्नति में पूरी तरह समर्पित कर दें।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका **डॉ. ब्र.कु. सविता** ने कहा कि अपनी जिंदगी में राजयोग मेडिटेशन को शामिल करने से आपकी पढ़ाई आसान हो जाएगी। राजयोग से हमारा मन सशक्त होता है। सशक्त मन का व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है। भौतिक शिक्षा के साथ हमें मन को समझने की शिक्षा, अध्यात्म और योग की शिक्षा लेना जरूरी है।

शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका **ब्र.कु. शिविका** ने कहा कि आप सभी पांच दिन तक यहां के आध्यात्मिक वातावरण का पूरी तरह से लाभ लें। यहां ज्यादा से ज्यादा सीखकर जाएं जो आपको पूरी जिंदगी मार्गदर्शन करेगा। आध्यात्मिक ज्ञान हमारे व्यक्तित्व को कुंदन सा निखारकर उसे दीपक की तरह प्रकाशित कर देता है। जीवन में हम कितनी भी तरक्की कर लें लेकिन सबसे पहले एक अच्छा, नेक इंसान जरूर बनें। इस मौके पर पुणे से आए विद्यार्थी, शिक्षकगण और कॉप यूनिवर्सिटी के स्टाफ मौजूद रहे।

डोंबिवली सेवाकेंद्र द्वारा पलावा कासा रियो, एम्फीथिएटर तथा जन-गण-मन स्कूल में दो दिवसीय **बच्चों का मेला (Kids Fair)** का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बच्चों को अपनी रचनात्मकता को कैनवास पर उतारने, दृश्य कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और कौशल की खोज करने के लिए आमंत्रित किया गया। बच्चों के लिए 20 खुले (Open Games) खेल का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में विभा सिंह, मनीषा जोशी, शिवप्रिया, अमोल भोगले, ब्र.कु. शकु तथा अन्य उपस्थित थे।

विभिन्न स्थानों पर हुई शिक्षा प्रभाग की सेवाओं की झलकियां

डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन के एडिशनल सेक्रेटरी श्री सुनील कुमार बर्नवाल जी को माउंट आबू आने के लिए निमंत्रण तथा ईश्वरीय सौगात देने के पश्चात् डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. शिविका, ब्र.कु. शैलेष तथा वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. प्रकाश तथा ब्र.कु. शिविका।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा जी को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. सुषमा, ब्र.कु. चन्द्रकला, ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. कोमल, ब्र.कु. शिविका तथा अन्य।

Education Wing HQs. Office:
Dr. B.K. Mruthyunjaya
Chairman, Education Wing, RERF
Brahma Kumaris, Education Wing Office
3rd Floor, Anand Bhawan, Shantivan
Abu Road - 307 510 (Raj.)
Mobile Nos.: +91 94140-03961 / +91 94263-44040
E-mail: educationwing@bkivv.org
Website: www.educationwing.com

To,